बिरादरी के लोगों के लिए न वकील जूझते हैं, न पत्रकार

Written by कुमार सौवीर
Saturday, 09 June 2018 20:09

: प्रिंस लेनिन के मामले में वकील खामोश बैठे हैं, जैसे जागेंद्र सिंह हत्याकांड में पत्रकारों ने कान में तेल डाल रखा था : बात-बात पर हंगामा करने वाला अधिवक्ता समुदाय पिछले एक महीने से खामोश है : लेनिन ने जागेंद्र का मामला सम्भाला था, मैं भी लेनिन के मामले में जुटा हूं :

पत्रकार जागेंद्र की हत्या के खि
1) आरोपी मंत्री को
2) मामले की सी.बी.
3) पीड़ित परिवार को

कुमार सौवीर

लखनऊ : बधाई दोस्तों। अब आप चाहे वह वकील हों या फिर पत्रकार, आपकी कार्यशैली और आपका कार्य-चरित्र चूंकि एक समान है, इसीलिए ही मैं आप सभी को आपकी इस समानता के लिए बधाई देना चाहता हूं। लेकिन हैरत की बात है कि आप दोनों ही समुदाय-प्रवर दुनिया की बात भले ही भारी-मोटी लन्तरानियां फेंका-छौंका करें, लेकिन अपने खुद की जात-बिरादरी का मामला देखते ही अपना मुंह बिचका देते हैं। एक अजब सा हिकारत भाव अपने चेहरे और कामकाज की शैली पर छा जाता है। कम से कम दो घटनाएं तो हमारे सामने हैं ही, जिसके आधार पर मैं आपकी पीड़ा आप सब के सामने व्यक्त कर सकता हूं।

जागेंद्र सिंह को जिन्दा फूंके जाने के हादसे पर मेरी अन्य स्टोरीज को पढ़ने के लिए अगर इच्छुक हों, तो कृपया निम्न लिंक पर क्लिक कीजिएगा

जांबाज जागेंद्र

पहली घटना : यहां मैं ठीक तीन साल पहले जांबाज पत्रकार जागेंद्र सिंह के संदर्भ में कह रहा हूं, जिसे शाहजहांपुर में अखलिेश यादव सरकार के दबंग मंत्री राममूर्ति वर्मा की साजिश के चलते वहां की कोतवाली शहर के कोतवाल श्रीप्रकाश राय और उसके साथी पुलिसवालों ने मार डाला था। जागेंद्र

1 / 5

Written by कुमार सौवीर
Saturday, 09 June 2018 20:09

की लेखनी ही उसकी मौत बन गयी थी□ जागेंद्र की लेखनी से राममूर्ति वर्मा बेहद खफा था□ □कदनि कोतवाल व अन्□य पुलसिदल ने उसकेघर घेराबंदी की और वहां मौजूद जागेंद्र सहि को दबोच कर उस पर पेट्रोल डाल कर जनि्□दा फूंक डाला□ इसका खुलासा जागेंद्र ने अपने मृत्□यु-पूर्व बयान पर कयिा था□ लेकनि पत्रकारों ने जागेंद्र का साथ नहीं दयिा□ बल्कि वे उसे ब्□लैकमेलर और माफयिा ही साबति करने लगे□ इतना ही नहीं, शाहजहांपुर केपत्रकारों ने राममूर्ति वर्मा को पत्रकारति दविस, श्रमकि दविस आदि अपने हर कार्यक्रम में मुख्□य अतथि केतौर पर आमंत्रति कर उसे सम्□मानति कयिा□

□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□ :- □□□□ □□□□□□□

Kumar Sauvir is with कुमार सौवीर and 2 others.
18 June 2015

बधाई दोस्तों
शाहजहांपुर के जांबाज और जुझारू पत्रकार जागेन्द्र सिंह को जिन्दा फूंक डालने वाले प्रकरण की जांच अब सीबीआई के हवाले करने का रास्ता साफ हो गया लगता है। हाईकोर्ट ने इस मामले को सीबीआई से कराने को लेकर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। इसके लिए सरकार के पक्ष को अगली 24 जून को अदालत सुनेगी।
बिलकुल अभी अभी खबर आयी है कि हाईकोर्ट ने इस मसले पर सीबीआई जांच कराने के लिए सरकार को आदेश दिया है कि वे कारण बतायें कि यह प्रकरण सीबीआई को क्यों न सौंप दी जाए। इसके साथ ही, हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि शाहजहांपुर और खुटार पुलिस ने इस प्रकरण पर जो भी जांच की हो और जो भी प्रगति आख्या तैयार की गयी हो, वह भी हाईकोर्ट के सामने रखी जाए।
यह जनहित याचिका वकील प्रिंस लेनिन ने दायर की थी।
लेनिन का कहना है कि राज्य सरकार ने इस मसले पर बहुत शातिराना अंदाज अख्तियार किया है। जो सूचना पहले ही अदालत के सामने रखनी चाहिए थी, उसे लटकाने बेहद आपत्तिजनक है।

Like Comment Share

Santosh Pandey, आचार्य सुभाष विक्रम and 149 others

9 shares

View 36 more comments

Mishra Rk रास्ता तो मिल गया है मंजिल मैं ढूढ़ लूंगा 1
Like · Reply · 2y

Vinod Sahu प्रिंस लेलिन व सौवीर जी को नमन......
Like · Reply · 2y

A.c. Verma Mujhe to shak hai ki CBI v nispakch jag karegi que ki neta bahut pahuch wale hote hai
Like · Reply · 2y

Chandrabhan Gupta शतरज की पहली गोट तो जोगेन्द्र के गुनहगारों ने पीटली है अब देखना है सी०बी०आई जॉच और कोर्ट को कैसे मात दे ते है।

लेकनि मैंने शाहजहांपुर कर पहुंच कर इस मामले की गहरी छानबीन शुरू कर दी□ हालांकि उस वक्□त मैं बेहद बीमार था, ब्रेन-स्□ट्रोक का □कजबर्दस्□त आघात का गहरा असर मुझ पर काफी था□ मैंने छानबीन में पाया कि जागेंद्र केईमानदार और जुझारू तथा अपने कामकाज में बेहद नषि्□ठावान पत्रकार है□ अपनी इसी फाइंडगि केआधार पर मैंने ताबड़तोड़ स्टोरीज छापनी शुरू कर दी□ यह क्रम महीनों चला, और हंगामा खड़ा हो गया□ लखनऊ में बैठे पत्रकार नेता इस मामले में अपनी पूंछ अपने पेट में घुसेड़े बैठे थे, लेकनि मेरे प्रयासों केचलते वे अपने-अपने बलि से बाहर नक्लिने पर मजबूर हो गये और फरि जागेंद्र सहि को न्□याय दलिाने का अभयािन शुरू हो गया□ हालांकि पूरी सरकार मंत्री को बचाने में जुटी थी, इसकेबावजूद सरकार ने मामला दबाने केलरि□ जागेंद्र केआश्रतिों को बीस लाख रूपयों की मदद की□ उधर मामले केअपराधयिों ने भी अपनी खाल बचाने केलरि□ उस परविार को तीस लाख रूपयों का भुगतान कयिा□

और तो और, मेरी स्□टोरीज से उभड़े माहौल से बौखला कर सरकार यह तकऐलान कर दयिा था कि वह सीबीआई जांच केलरि□ तैयार है□ हालांकि बाद में भारी मुआवजा अदा कर मामला रफादफा कर दयिा गया था□

□□□□□□□□□□-□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ :-

□□□□□□□ □□□□ □□□□□

□□□□□ □□□□ :पछिली सात मई, और 30 मई को ख्□यातनाम अधविक्□ता प्रसि लेननि और उनके वयोवृद्ध वकील माता-पति के साथ पुलसिवालों ने तोड़फोड़ की, मारा-पीटा भद्दी गालयिां भी दीं□ मौके पर मैजूद उनकी अववविाहति बहन को भी पुलसिवालों ने घसीटा, पीटा, गालयिां दीं, और उसके बाल घसीटते हु□ हुसैनगंज थाना-कोतवाली तक ले गये□ इस दौरान बहन के कपड़े फट गये, और सड़क पर घसीटने से उसके पैरों में भारी घाव हो गया□ इतना ही नहीं, इन पुलसिवालों ने प्रसि की बहन को पुरूष हवालाता में ठूंस डाला□ बाद में जब मामले की दरख्□वास्□त दी गयी, तो पुलसि ने उसे दर्ज ही नहीं, कयिा□ बाद में घटना के आठ दनि बाद पुलसि ने मामला दर्ज कयिा, लेकनि उसे हल्□का करने के लि□ दो अन्□य मुकदमे भी प्रसि की बहन और उनके माता-पति पर भी ठोंक दयिा गया□

जागेंद्र सहि के मामले में कसिी भी पत्रकार या उसके कसिी भी संगठन ने पहल नहीं की थी□ लेकनि प्रसि लेननि ने इस मामले में स्□वत: संज्ञान लेते हु□ हाईकोर्ट में मुकदमा दर्ज कयिा था□ याचकिा में मांग की गयी थी कि इस मामले में सीबीआई की जांच की जानी चाहि□□ इसके लि□ तथ्□य भी लेननि ने जुटाये थे, और याचकिा पर आने वाला पूरा खर्चा भी लेननि ने ही वहन कयिा था□

□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□:-

□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□□

कहने की जरूरत नहीं कि प्रसि लेननि की यह पहलकदमी उस शख्□स की गहरी संवेदनशीलता का प्रतीक और प्रमाण था□

लेकनि हैरत की बात है कि प्रसि लेननि के घर हु□ इस हादसों पर अधविक्□ता ने अपना-अपना कान बंद कयिे बैठा है□ ठीक उसी तरह, जैसे जागेंद्र सहि हत्□याकांड में अधकिांश बरिादरी को सांप सूंघ गया था□ इसीलि□ मैं प्रसि लेननि के इस मामले में लगातार हस्□तक्षेप कर रहा हूं□ और कम से कम तक अपना यह दखल बनाये रखूंगा, जब तक अधविक्□ता समुदाय खुद इस मामले को अपने हाथ में नहीं लेता□

बिरादरी के लोगों के लिए न वकील जूझते हैं, न पत्रकार

Written by कुमार सौवीर
Saturday, 09 June 2018 20:09

पत्रकारिता से जुड़ी खबरों को देखने के लिए निम्‍न लिंक पर क्लिक कीजिए:-

बिरादरी के लोगों के लिए न वकील जूझते हैं, न पत्रकार

Written by कुमार सौवीर
Saturday, 09 June 2018 20:09

पत्रकार पत्रकारिता